अमेरिका में ब्राह्मण व बनिया गठजोड़

किस संतान को मिले संपत्ति पर ज्यादा हक

युवाओं के होम लोन पर डाका

सास बदली नजरिया नहीं

सरिता

फरवरी (प्रथम) 2025, ₹ 75

मैं सत्यवती नहीं बनूंगी

व्यर्थ के रूढ़ियों को तोड़ती स्त्री की कहानी

सरकारी एग्जाम सालों तपस्या-जीरो नौकरी

सरिता

संपादक
प्रकाशक
परेश नाथ

संस्थापक
विश्वनाथ
1917-2002

फरवरी (प्रथम) 2025 अंक 1675

लेख

32 **अमेरिका में भी पनप रहा**
ब्राह्मण व बनिया गठजोड़

42 **युवाओं के**
सपनों के घर पर डाका

48 **किस संतान को मिले**
संपत्ति पर ज्यादा हक

56 **सरकार**
थोप रही मोबाइल

60 **अल्लू अर्जुन को जेल**
भगवान दोषमुक्त

68 **बुफे पार्टी**
मेलजोल के अवसर

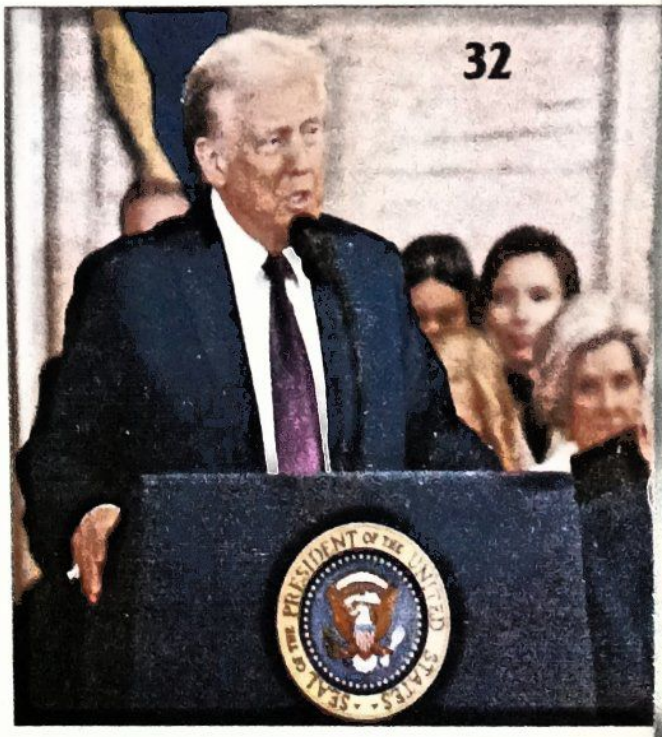

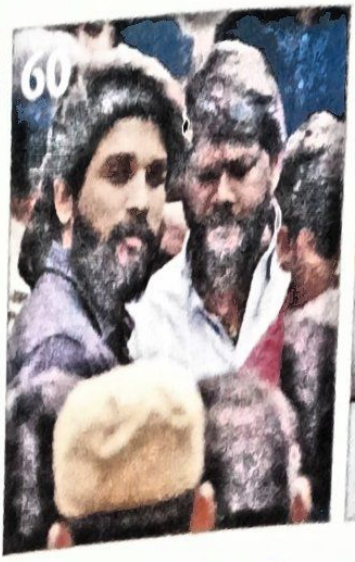

74 **सास बदली**
लेकिन नजरिया नहीं

78 **मौन का मूलमंत्र**
जिंदगी को बनाए आसान

कहानी

82 **मैं सत्यवती बनूंगी**
व्यर्थ के ढकोसलों को तोड़ती स्त्री की कथा

92 **मानअभिमान**
रमा का नजरिया क्यों बदल रहा था

98 **कशमकश**
बच्चे को तरसते पतिपत्नी

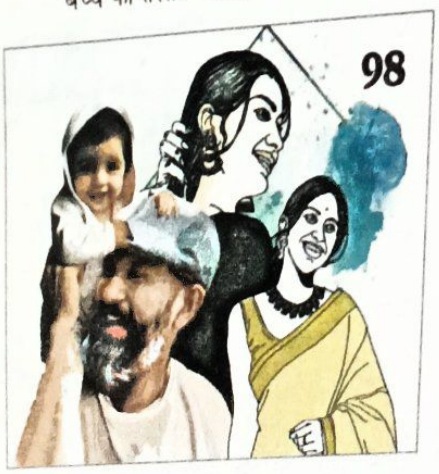

112 **गुजर जाते हैं जो मुकाम**
अकेले पुरुष की तनहाइयां

122 **डबल सैलिब्रेशन**
क्या मां को खुशियां दे पाया अंगद

128 **भरापूरा परिवार**
क्या अकेलेपन से उबर पाए मनमोहनजी

स्तंभ

8 आप के पत्र

10 **सरित प्रवाह**

30 श्रीमतीजी

121 **इन्हें आजमाइए**

132 पाठकों की समस्याएं

134 **चंचल छाया**

और भी कहानियां पढ़ने के लिए
sarita.in पर login करें.